बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा 2026

सफलता, समानता और तकनीक का नया अध्याय

कुल उत्तीर्ण: 81.79%

सफलता का मानक

मूल्यांकन अवधि: केवल 12 दिन

तकनीकी गति

टॉपर्स: छात्राओं का दबदबा

शैक्षणिक नेतृत्व

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार

देश का पहला राज्य, पहला बोर्ड

> “
> मार्च माह में ही इंटर और मैट्रिक, दोनों परीक्षाओं का परिणाम जारी करने वाला देश का एकमात्र बोर्ड।

- मात्र **12 दिनों** के रिकॉर्ड समय में कॉपियों का मूल्यांकन।
- लाखों छात्रों को ससमय उच्चतर संस्थानों में नामांकन की सुविधा।

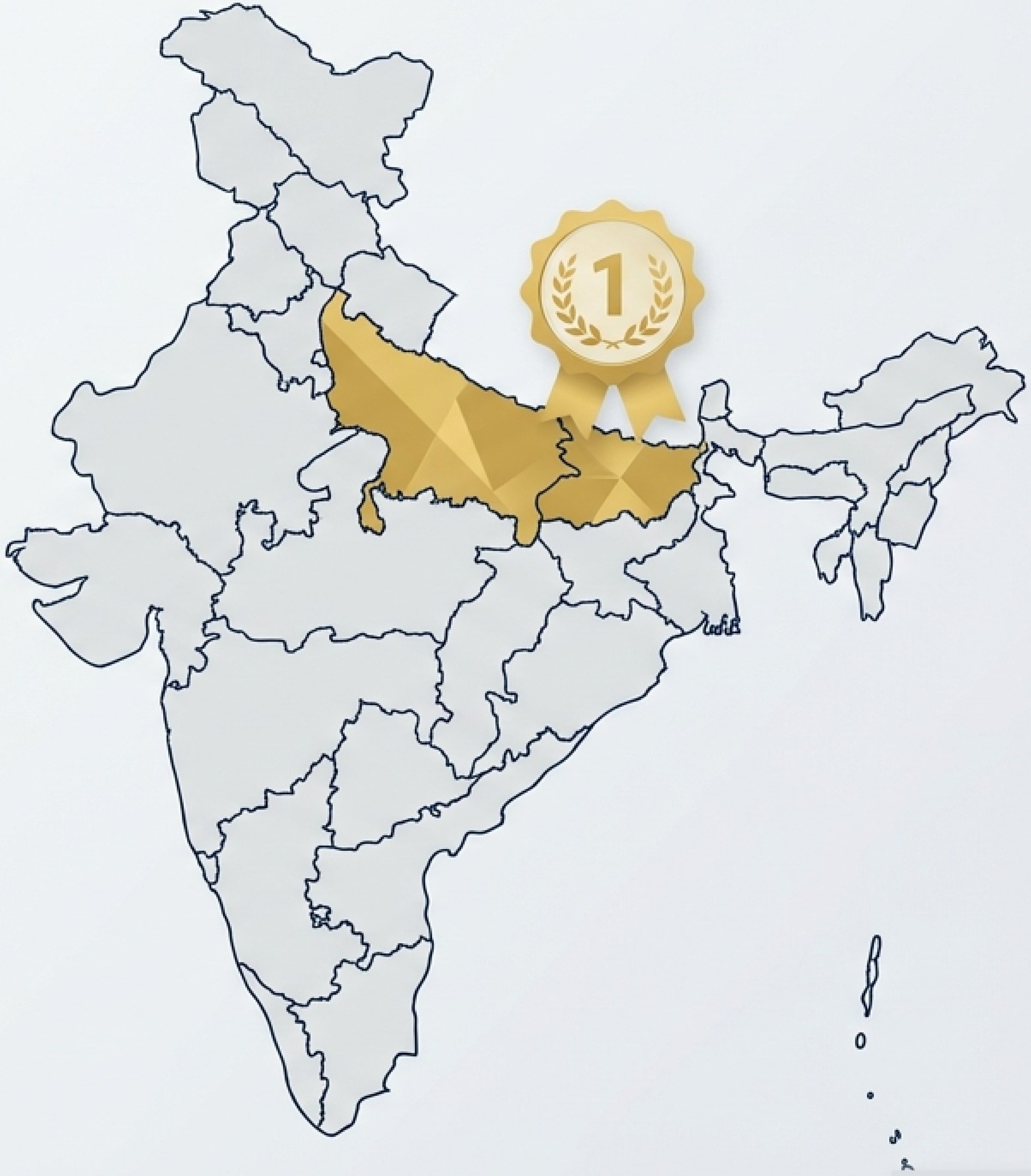

PM Excellence Award

तकनीक से संचालित पारदर्शिता और गति

मूल्यांकन केंद्र

अंकों की सीधे कंप्यूटर के माध्यम से प्रविष्टि।

BSEB कस्टम सॉफ्टवेयर

नया सॉफ्टवेयर विकसित कर सभी डेटा की हाई-स्पीड प्रोसेसिंग।

ससमय परिणाम

त्रुटिहीन और उच्च गुणवत्ता के साथ मार्च में ही परिणाम प्रकाशित।

अन्य राज्य (जैसे राजस्थान और गोवा) अब बिहार बोर्ड की इस ‘बेस्ट प्रैक्टिस’ का अध्ययन और अनुसरण कर रहे हैं।

2026 के परिणाम: एक विहंगम दृष्टि

कुल परीक्षार्थी:
15,10,928

कुल उत्तीर्ण:
12,35,743

श्रेणीवार विभाजन

छात्राएं आगे: सशक्तिकरण का परिणाम

	छात्राएं	छात्र
परीक्षा में शामिल	7.84 लाख	7.26 लाख
परीक्षा में उत्तीर्ण	6.34 लाख	6.01 लाख

"माननीय मुख्यमंत्री की बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने वाली योजनाओं का सीधा और प्रत्यक्ष लाभ इस परीक्षाफल में देखने को मिल रहा है।"

- अध्यक्ष, BSEB

राज्य के गौरव: टॉप 3 मेधावी

492 अंक / 98.4%

पुष्पांजलि कुमारी
(सिमुलतला आवासीय विद्यालय, जमुई)

सबरीन परवीन
(उच्च माध्यमिक विद्यालय चौराही, वैशाली)

489 अंक / 97.8%

नाहिद सुल्ताना
(आरकृत उच्च विद्यालय भवानीपुर, बेगूसराय)

488 अंक / 97.6%

अनुपा कुमारी
(उच्च माध्यमिक विद्यालय खराना, बक्सर)

ओमकार कुमार
(BSS उच्च विद्यालय रजवाड़ा, बेगूसराय)

मेरिट का विस्तार: टॉप 10 सूची

संपूर्ण राज्य में कुल 139 विद्यार्थियों ने टॉप 10 में अपना स्थान सुनिश्चित किया है।

मेधा का सम्मान: नई पुरस्कार संरचना

राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार राशि में भारी वृद्धि

प्रथम स्थान

- **नकद पुरस्कार: ₹2 लाख**
- सुविधा: लैपटॉप
- सम्मान: मेडल और प्रशस्ति पत्र

द्वितीय एवं तृतीय स्थान

- नकद: ₹1.5 लाख (द्वितीय) / ₹1 लाख (तृतीय)
- सुविधा: लैपटॉप
- सम्मान: मेडल और प्रशस्ति पत्र

चतुर्थ से दशम स्थान

- नकद पुरस्कार: ₹10,000
- सुविधा: लैपटॉप
- सम्मान: मेडल और प्रशस्ति पत्र

एक साल बचाएं: आगे का रास्ता

जो विद्यार्थी उत्तीर्ण नहीं हो पाए हैं, उनके लिए विशेष अवसर।

1 अप्रैल - 7 अप्रैल

स्क्रूटनी और विशेष/पूरक परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन।

मई 2026

बिहार बोर्ड द्वारा विशेष परीक्षा का आयोजन और परिणाम प्रकाशन का लक्ष्य।

इसी वर्ष

बिना वर्ष बर्बाद किए उच्चतर संस्थानों में दाखिला।

अभिभावकों के लिए विशेष संदेश

“

यदि बच्चों ने किसी कारणवश बहुत अच्छा नहीं किया है, तो उन पर किसी तरह का मानसिक दबाव देने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें स्ट्रेस में ना लाएं ताकि कोई भी छात्र कोई एक्स्ट्रीम कदम ना उठाए। उन्हें एनकरेज करें कि वे पुनः परीक्षा दे सकें।

— माननीय शिक्षा मंत्री, बिहार सरकार

नया बिहार बोर्ड: तीन मजबूत स्तंभ

तकनीक

मार्च में परिणाम और 12 दिन का मूल्यांकन, जो राष्ट्रीय मानक बन रहा है।

सशक्तिकरण

सरकारी योजनाओं के प्रभाव से छात्राओं का टॉप 10 और कुल उत्तीर्ण संख्या में दबदबा।

संवेदनशीलता

छात्रों का वर्ष बचाने के लिए त्वरित पूरक परीक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर जोर।